



वाशिंगटन पाकिस्तान के वित्त मंत्री का कहना है कि भारत के 2014 के लोकसभा चुनाव और दोनों देशों के बीच समग्र वार्ता शुरू होने से पहले उसे 'सर्वाधिकतरजीही राष्ट्र' (मफ़ी न) का दर्जा दी जाने की संभावना नहीं है।

प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और उनके पाकिस्तानी समकक्ष नवाज शरीफ के बीच पछिले महीने न्यूयॉर्क में हुई बैठक के 'शानदार' करार देते हुए पाकिस्तान के वित्त मंत्री इसहाक डार ने वाशिंगटन में कहा कि जम्मू कश्मीर में नयित्रण रेखा पर हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के लेकर जनता के दबाव के चलते भारत के मफ़ी न दर्जा दी जाने के स्थगित कर दिया गया है।

वाशिंगटन स्थित प्रसिद्ध अमेरिकी विचार मंच अटलांटिक कंसलिल में क्ल कसवाल के जवाब में डार ने कहा, "जनभावना को देखते हुए हमने इसे (मफ़ी न दर्जे) ठंडे बस्ते में डाल दिया है।"

डार ने साथ ही कहा कि भारत में अगले वर्ष होने वाले आम चुनाव और दोनों देशों के बीच समग्र वार्ता दोबारा शुरू होने से पहले मफ़ी न दर्जा दी जाने की संभावना नहीं है।

उन्होंने कहा, "आपको सारी चीजें सामने रखनी होंगी, मेरे मतिर हम आगे बने और जल्द से जल्द समग्र वार्ता शुरू करने के लेकर को कफ़ी इच्छुक है। दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच हुई बैठक शानदार थी। लेकिन मैं समझ सकता हूँ कि भारत की ओर से कुछ व्यवहारिक बाधाओं के कारण राजनीतिक दलों के ली सक्रीय मार्ग पर चलने कठिन हो सकता है। हम तैयार हैं। हमें कोई समस्या नहीं।"

(भाषा)